THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K.P. SINGH DEO): (a) to (d) The information is being collected and will be laid on the Table of Sabha.

**Generation of Hydro-Electric Power**

2341. SHRI CHIMANBHAI HARIBHAI SHUKLA:
SHRI RAHASBIHARI BARIK:

Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether Government have chalked out a long term plan for generation of Hydro-electric power in the country;

(b) if so, the salient features thereof alongwith the details of subsidies and other in centives given under the plan therefor;

(c) the Slates identified to be covered under this plan; and

(d) the target set for power generation in the plan?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRIMATI URMILABEN CHIMANBHAI PATEL): (a) to (d) Studies for long-term generation, expansion and planning of the hydro sector were carried out by CEA in the year 1991. A capacity addition of 52,000 MW for the 15 year period from 1992-2007 was envisaged for optimal utilisation of power resources by the end of the Tenth Plan.

The approved capacity addition for the hydro sector in the Eighth Five Year Plan is 9282.2 MW. With a view to encouraging greater participation of private sector in hydro power generation, additional incentives have been allowed on 12th January, 1995 through amending the existing notification dated 30.3.1992. These incentives are available for hydro power projects which would be commissioned in all the States after 1.1.1997.

**Merger of Regional Grids into National Power Grid**

2342. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether Government have decided to merge the regional power grids into a National Power Grid;

(b) if so, what is the present Grid system and what are the details of the scheme for integrating them into a National Grid; and

(c) what are the details of the phased programme to achieve this objective?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRIMATI URMILABEN CHIMANBHAI PATEL): (a) to (c) Yes, Sir. At present five Regional Power Grids namely Eastern, Western, Southern, Northern and North Eastern Regional Grid already exist in the country. Formation of a National Power Grid is a concept involving interconnection of Regional Grids to facilitate exchange of power across various regions in the country and to make optimum utilisation of the available generation resources. The details of the Schemes for integrating the Regional Grid into a National Grid are as follows:-

(i) 500 MW HVDC Back-to-back transmission link at Vinkhyachal connecting Northern and Western Regions already exists.

(ii) 1000 MW HVDC Back-to-back station at Chandrapur connecting Southern and Western Regions is under execution and expected to be commissioned in 1997-98.

(iii) 500 MW HVDC Back-to-back link at Vishakhapatnam connecting Eastern and Southern Regions has also been approved for commissioning during 1998-99.

(iv) 500 MW HVDC Back-to-back Mau-Biharshariff project has also been planned to connect Eastern and Northern regions for commissioning during IX Plan.

(v) Other major links would be planned alongwith future generating projects.

**मध्य प्रदेश में बिजली की मांग और उपलब्धता**

2343. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

**(क) मध्य प्रदेश में पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रति वर्ष बिजली का कुल कितना उत्पादन किया गया;**

(ख) राज्य में इस समय बिजली की कुल मांग कितनी है और क्या इसका उत्पादन मांग की तुलना में असंतुलित है, और इस मांग को किस स्रोत से पूरा किया जा रहा है और इस पर प्रति वर्ष कितनी धनराशि खर्च की जा रही है;

(ग) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान विद्युत परियोजनाएं स्थापित करने हेतु सरकार के विचाराधीन प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान कुल कितने गांवों का विद्युतीकरण किया जायेगा और इस उद्देश्य के लिए कुल कितनी धनराशि खर्च किये जाने की संभावना है?

**विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती उर्मिला चिमनभाई पटेल):** (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान मध्य प्रदेश में ऊर्जा उत्पादन ब्यौरे अनुसार निम्नलिखित है:-

| वर्ष | ऊर्जा उत्पादन (मि.यू.) |
|---|---|
| 1991-92 | 32865 |
| 1992-93 | 33034 |
| 1993-94 | 37752 |

(ख) मध्य प्रदेश अपनी ऊर्जा आवश्यकता, अपने स्वयं के स्रोतों (साझा परियोजना सहित) से उपलब्ध ऊर्जा पश्चिमी क्षेत्र में केन्द्रीय क्षेत्र केन्द्रों से अपनी पात्रता की निकासी और दिन प्रतिदिन की उपलब्धता के आधार पर निकटवर्ती प्रणालियों से प्राप्त सहायता से पूरा करता है। अप्रैल, 1994 से फरवरी, 1995 की अवधि के दौरान से सम्बन्धित उपर्युक्त ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

(सभी आंकड़े निवल मि.यू. में)

| | अप्रैल-94 फरवरी, 95 |
|---|---|
| आवश्यकता | 25240 |
| स्वयं के स्रोतों से ऊर्जा उपलब्धता | 13574 |
| केन्द्रीय स्टेशनों से निकासी | 9455 |
| निकटवर्ती प्रणालियों से सहायता | 357 |
| कुल उपलब्धता | 23386 |
| कमी | 1854 |
| % | (7.3) |

एन.टी.पी.सी. द्वारा अप्रैल, 94 फरवरी, 95 के दौरान आपूर्ति की गई विद्युत के लिए कुल राशि 554 करोड़ रुपये (समायोजन के बाद) थी।

(ग) आठवीं योजना के दौरान मध्य प्रदेश में क्षमता अभिवृद्धि का ब्यौरा विवरण के अनुसार है।(नीचे देखिए)।

(घ) योजना आयोग द्वारा राज्य सरकारों के साथ विचार-विमर्श करके, राज्यवार ग्रामीण विद्युतीकरण कार्यक्रम को वर्ष-प्रति-वर्ष आधार पर अंतिम रूप दिया जाता है। आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भिक तीन वर्षों के दौरान, ग्रामीण विद्युतीकरण के लिए लक्ष्य और निधियों का आवंटन निम्नलिखित है:

| क्र.सं. | वर्ष | ग्रामीण विद्युतीकरण हेतु लक्ष्य (सं.) | उपलब्धि (सं.) | आर.ई.सी. द्वारा निधियों का आवंटन (लाख रुपये में) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 1992-93 | 650 | 605 | 6510 |
| 2 | 1993-94 | 250 | 751 | 5400 |
| 3 | 1994-95 | 250 | 878 (2/95 तक) | 5300 |

**विवरण**

**मध्य प्रदेश में क्षमता अभिवृद्धि का परियोजनावार ब्यौरा(आठवीं योजना के दौरान 20729.7 मे.वा.)**

| परियोजना का नाम | प्रकार | स्थिति | कुल अधिष्ठापित क्षमता (मे.वा.) | लाभ 92-97 (मे.वा.) |
|---|---|---|---|---|
| **राज्य क्षेत्र परियोजनाएं** | | | | |
| बाणसागर 4 | (हाइडल) | एस | 20.0 | 0.0 |
| बाणसागर टोन | (हाइडल) | एस | 30.0 | 0.0 |
| बाणसागर टोन | (हाइडल) | एस | 60.0 | 0.0 |
| इंदिरा सागर | (हाइडल) | एस | 120.0 | 120.0 |
| नर्मदा सागर | (हाइडल) | एस | 1000.0* | 0.0 |
| राजघाट (50%) | (हाइडल) | एस | 22.5 | 22.5 |
| सरदार सरोवर (57%) | (हाइडल) | एस | 684.0 | 0.0 |
| सरदार सरोवर (57%) | (हाइडल) | एस | 142.5 | 142.5 |
| बिरसिंहपुर विस्तार | (थर्मल) | एस | 420.0 | 420.0 |
| बिरसिंहपुर यू. 1, 2 | (थर्मल) | एस | 420.0 | 420.0* |
| माहेश्वर** | (हाइडल) | सी | 400.0 | 0.0 |
| मारीखेड़ा एचई | (हाइडल) | सी | 40.0 | 0.0 |
| ओंकारेश्वर | (हाइडल) | सी | 520.0 | 0.0 |
| कुल जोड़: | | | 3879.0 | 1125.0 |

टिप्पणी:- (1) एस-स्वीकृत (2) सी-के.वि.प्र. द्वारा स्वीकृत (3) ** - निजी

(4) *-1992-95 के दौरान चालू की जाने वाली कुल 540 मेन्वा क्षमता।